

२८६ • जुलाई २०१०

चकमक

बाल विज्ञान पत्रिका

- 2 दो माताएँ
- 4 शेर और खरगोश
- 5 कोहिमा बाज़ार
- 8 ऐसे बनी पेब्सिल
- 10 मेंढोव
- 13 पेपर चोर
- 17 माथापच्ची
- 18 विजली सुधारने वाले
- 20 शिकारी का पीछा करता हुआ जानवर
- 22 गर्मियों में घर ठण्डा कैसे
- 25 कहानियों के अण्डे
- 26 मेरा पन्ना
- 28 सीखना कुदरत से
- 30 बूढ़ा सुल्तान
- 32 चालाक तेंदुए से सामना
- 34 सुनना आवाज़ों के आगे पीछे

पहली बूँद आई
आँख मूँद आई

उसे ढूँढने फिर
बूँद-बूँद आई

सुशील शुक्ल

चित्र: दिनेश चिंचालकर

इस अंक में

मेरे आँखों के सामने तेंदुआ शिकार कैसे और कहाँ ले गया? 32

हवाई जहाज़ वालों ने उससे कहा कि छत्ता बन्द मत करना नहीं तो नीचे गिर जाओगे। 25

8 इसकी लकड़ी में एक प्रकार की बदबू होती है जो कीड़ों को पसन्द नहीं है।

पानी से तर-बतर टोप लगाए भीगते-भागते वे आते हैं 18

खोदा पहाड़ निकली चुहिया तो नहीं कहूँगा क्योंकि यहाँ जो निकला वो काफी सवाल भी दे गया 13

34 फूल चुपचाप झर जाते हैं, और हम उनके झर जाने की कोई आवाज़ नहीं सुन पाते।

सम्पादन
सुशील शुक्ल
शशि सबलोक

सहायक सम्पादक
कविता तिवारी

सम्पादकीय सलाहकार
रेखा डी रोज़ारियो

: आवरण चित्र :
अतनु राय

विज्ञान सलाहकार
सुशील जोशी

डिज़ाइन
दिलीप चिंचालकर

वितरण
सवेरा मिश्रा
सहयोग
मिहिर
प्रभात
कमलेश यादव

सदस्यता शुल्क
एक प्रति: 20.00

वार्षिक: 200.00 (व्यक्तिगत)
300.00 (संस्थागत)
तीन साल: 500.00 (व्यक्तिगत)
700.00 (संस्थागत)
आजीवन: 3000.00 (व्यक्तिगत)
4000.00 (संस्थागत)

एस.आई.जी./
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के
वित्तीय सहयोग से
प्रकाशित।

सभी डाक खर्च हम देंगे।
चन्दा (एकलव्य के नाम से बने)
मनीऑर्डर/चेक से भेज सकते हैं।
भोपाल के ब्रह्मर के चेक में
80.00 रुपए अतिरिक्त जोड़ें।

एकलव्य

ई-10, शंकर नगर,
बीडीए कॉलोनी, शिवाजी नगर
भोपाल, म.प्र. 462016
फोन: (0755) 4252927,
2671017, 2550976
फैक्स: (0755) 2551108
chakmak@eklavya.in
circulation@eklavya.in
www.eklavya.in